"वनों की आग का वैज्ञानिक प्रबंधन " विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक **21 दिसम्बर, 2022** को बाग पशोग, जिला सिरमौर हिमाचल प्रदेश में **"वनों की आग का वैज्ञानिक प्रबंधन"** विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 25 प्रगतिशील किसानों एवं राजगढ़ व सोलन वन मण्डल के 11 वन कर्मियों ने भाग लिया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ **डॉ. संदीप शर्मा,** निदेशक प्रभारी, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा ऑनलाइन किया गया। उन्होनें अपने उदघाटन भाषण में कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से राजगढ़ व सोलन वन मण्डल के वन कर्मी एवं किसान को वनों की आग का वैज्ञानिक प्रबंधन कैसे किया जाता है के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी; जिससे भविष्य में वे जंगलों को आग से सुरक्षित रखने तथा चीड़ की पत्तियों से उत्पाद बनाकर किसान अपनी आय में अतिरिक्त आजीविका कमाने का स्त्रोत भी बना सकेगें।

डॉ. रणजीत कुमार, वैज्ञानिक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह संस्थान उत्तर पश्चिमी हिमालय के राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों - हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर तथा लदाख में वानिकी एवं वानिकी अनुसंधान तथा पर्यावरण सरंक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। साथ ही उन्होनें हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में वर्तमान में चल रही अनुसंधान गतिविधियों के बारे में भी अवगत करवाया। इसके अतिरिक्त **जंगलों की आग का पारिस्थितिक तंत्र पर प्रभाव तथा इसका प्रबन्धन: चीड़पाइन के जंगलों में कन्ट्रोलड बर्निंग का प्रभाव** पर प्रस्तुति दी। उन्होनें चीड़पाइन के जंगलों में पौधों की विविधता और मिट्टी के गुणों पर कन्ट्रोलड बर्निंग का प्रभाव परियोजना के अनुसंधान परिणाम भी सांझा किए।

श्री सुशील राणा, वन मण्डल अधिकारी हैड्क्वार्टर, मुख्य अरण्यपाल कार्यालय, वन संरक्षण और अग्नि नियंत्रण (एफ.पी. एंड एफ.सी.), बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश वन विभाग ने **"हिमाचल प्रदेश के परिपेक्ष्य में वनों की आग का प्रबन्धन"** पर अपनी प्रस्तुति ऑनलाइन दी। उन्होनें बताया कि हिमाचल प्रदेश वन विभाग **वनों की आग के प्रबन्धन** पर विभिन्न योजनाओं, नीतियों और विशेषकर फायर इंजन पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

डॉ. आरती कश्यप, प्रोफेसर, स्कूल आफ बेसिक साइंस, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी, हिमाचल प्रदेश ने **"जंगल की आग को कम करने के लिए चिललेट्स का जैव ईंधन के रूप में उपयोग"** पर ऑनलाइन प्रस्तुति दी। उन्होनें चीड़ की पत्तियों से चिललेट्स के निर्माण एवं जंगल की आग को कम करने में महत्व पर प्रकाश डाला।

श्री प्रभु दयाल शर्मा, अध्यक्ष, पर्वतीय जन शिक्षा अवाम विकास, गैर सरकारी संगठन, बाग पशोग ने लैंटाना के बनाये गए उत्पादों के बारे में बताया और कहा की लैंटाना से जंगल ख़राब हो रहे हैं तथा यह भी जंगल की आग बढाने का काम करती है इसलिए लैंटाना के उत्पाद बनाये जाने पर जंगल की आग को कम कर सकते है और जंगल को भी बचा सकते हैं।

इसके बाद **शी हाट, बाग पशोग के प्रतिनिधियों** ने चीड़ की पत्तियों से बने उत्पादों का प्रदर्शन किया तथा इन्हे तैयार करने के बारे में अवगत करवाया।उन्होनें बताया कि कैसे किसान इन उत्पादों से अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं और जंगलों को भी आग से बचाने में अपना योगदान भी दे सकते है।

इसके बाद प्रतिभागियों तथा मुख्य वक्ताओं के बीच **वनों की आग का वैज्ञानिक प्रबंधन** से संबधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत में चर्चा की गयी जिसमें प्रतिभागियों की बहुत सी समस्याओं के समाधान करने के तरीके बताये गए।

श्रीमती राजेश्वरी देवी, पंचायत प्रधान, बाग पशोग ने कहा की इनकी पंचायत जंगल की आग रोकने में वन विभाग की मदद करती रहती है और यहाँ की महिलाएं चीड़ की पत्तियों से उत्पाद भी बना रही हैं जोकि जंगल की आग को कम करने में निश्चित रूप से सहायक होगीं। उन्होनें इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को इनकी पंचायत में आयोजित करने पर डॉ. संदीप शर्मा, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला का धन्यवाद दिया और कहा की उन्हे आशा है की संस्थान भविष्य में भी इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम उनकी पंचायत में आयोजित करते रहेंगे।

कार्यक्रम के अंत में डॉ॰ कुमार ने निदेशक प्रभारी, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला और प्रभागाध्यक्ष, विस्तार प्रभाग, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला को प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल बनाने में सहयोग व मार्गदर्शन करने हेतु धन्यवाद किया।
उन्होनें प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक भाग लेने के लिए सभी प्रतिभागियों, पंचायत प्रधान, बाग पशोग, शी हाट, बाग पशोग के प्रतिनिधियों, पर्वतीय जन शिक्षा अवाम विकास गैर सरकारी संगठन के अध्यक्ष, राजगढ़ व सोलन वन मण्डल अधिकारी को वन कर्मियों के नामांकण करने के लिए, डॉ. आरती कश्यप प्रोफेसर,आई.आई.टी., मण्डी तथा श्री सुशील राणा वन मण्डल अधिकारी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

मीडिया कवरेज़

Khabar Himachal हर खबर पर नजर

खोज

Facebook Twitter YouTube

7 hours ago

हिमाचल वन अनुसन्धान संस्थान शिमला द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

[https://blogger.googleusercontent.com/img/b/R29vZ2xl/AVvXsEjvkiCEqVKVMI05ZErdI6O4qWNPFwQKCV5UvNkHalNlmE1r-xIn46DI5mQhnlm3YuKRBNYUvvNiZ9goPbuyClxSiOp7w8LFd9ei8b3xEE9-5LxRbWtGx6R0-lqXB3dos7e4echNXfuuMCVlhOjMAHjiTYnYTN8B87w70-i3SorpU0vW6zcZRvoKOlKSVQ/s1280/baee1f92-1a48-4c4c-9d78-a9a01dacc8f1.jpg]

सराहां : हिमाचल वन अनुसन्धान संस्थान शिमला द्वारा बुधवार को पच्छाद उप मंडल के बाघ पशोग में वनों की आग का वैज्ञानिक प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 25 प्रगतिशील किसानों एवं राजगढ़ व सोलन वन मंडल के 11 वन कर्मियों ने भाग लिया।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ संदीप शर्मा निर्देशक हिमालयन वन अनुसन्धान शिमला द्वारा ऑनलाइन किया गया ।

उन्होंने अपने उदघाटन भाषण में कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से राजगढ़ व सोलन वन मंडल केवन कर्मी एवं किसानों को वनो की आग का वैज्ञानिक प्रबंधन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी।जिससे कि भविष्य में वे जंगलो की आग से सुरक्षित रखने तथा चीड़ की पत्तियों के उत्पाद बनाकर किसान अपनी आय में अतिरिक्त आजीविका कमाने का स्त्रोत भी बना सकते हैं।इस अवसर पर डॉ रणजीत कुमार वैज्ञानिक,सुशील राणा,डॉ आरती कश्यप,प्रभु दयाल शर्मा ने उपस्थित लोगों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

ग्राम पंचायत बाग पशोग की प्रधान राजेश्वरी शर्मा ने बताया कि पंचायत जंगल की आग को रोकने में वन विभाग की हर सम्भव सहायता करती रहती है और यहाँ की महिलाएं चीड़ की पत्ती से उत्पाद भी बना रही है।अंत मे उन्होंने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को उनकी पंचायत में करने पर डॉ संदीप शर्मा निर्देशक हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला का आभार व्यक्त किया तथा उम्मीद जताई कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम उनकी पंचायत में वो आयोजित करेंगे।

[https://blogger.googleusercontent.com/img/b/R29vZ2xl/AVvXsEhLplVs8csVxas6L3b00nmStnBGI_hAYWonJD9iYe25mGlr8QfIMNAN-uJbW-LcK9Fyn79T73JWCK_9xNhdgOmmNsWqi0t4PvUilj8gEPJqQkXj86osZR-F4PdeZrlita-9F9ow1jQiK0XnEFW-QfCeslmgjrFOGSo5vCxSfFeowcXqa5YOAGUmXMNsw/s1280/ba13ddae-cf96-4959-9f6c-05b0553a7c57.jpg]

Khabar Himachal द्वारा 7 hours ago पोस्ट किया गया

स्थान: Sarahan, Himachal Pradesh, India

****